विषय-सूची

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
	बन्धक-सत्त्वप्ररूपणा	
१	धवलाकारका मंगलाचरण	१
२	बन्धकोंका निर्देश	"
३	गतिमार्गणानुसार बन्धक और अबन्धकोंकी प्ररूपणा	७
४	बन्धकारणोंका निर्देश	९
५	इन्द्रियमार्गणानुसार बन्धक-अबन्धकोंका प्ररूपण	१५
६	कायमार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	१६
७	योगमार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	१७
८	वेदमार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	१८
९	कषायमार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	१९
१०	ज्ञान व संयम मार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	२०
११	दर्शन लेश्या मार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	२१
१२	भव्य व सम्यक्त्व मार्गणानुसार नुसार बन्धक प्ररूपणा	२२
१३	संज्ञिमार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	२३
१४	आहारमार्गणानुसार बन्धक प्ररूपणा	२४
	स्वामित्वानुगम	
१	बन्धकोंकी प्ररूपणामें ग्यारह अनुयोगद्वारोंका निर्देश	२५
२	ग्यारह अनुयोगद्वारोंका क्रम	२६
३	गतिमार्गणानुसार नैगमादिक नयोंकी अपेक्षा नारकप्ररूपणा	२८
४	तिर्यंच, मनुष्य व देवगतिमें स्वामित्वप्ररूपण	३१
५	नारकियोंके पांच उदय-स्थानोंका निरूपण	३२
६	तिर्यंचोमें नौ उदयस्थानोंका निरूपण	३५
७	उदयस्थानभंगोंकी संख्या-दिकके जाननेका उपाय	४४
८	मनुष्योंमें ग्यारह उदय-स्थानोंका निरूपण	५२
९	देवोंमें पांच उदयस्थानोंका निरूपण	५८
१०	इन्द्रियमार्गणानुसार स्वामि-त्वप्ररूपण	६१
११	इन्द्रिय शब्दका निरुक्त्यर्थ	"
१२	एकेन्द्रिय भावमें क्षायोपशमि-कत्व प्रकट करते हुए घाति-अघाति कर्मोंका प्ररूपण	
१३	द्वीन्द्रियादि भावोंमें क्षायो-पशमिकता	६४
१४	एकेन्द्रियादि भावोंमें औद-यिके भावकी आशंका व उसका समाधान	६७
१५	अनिन्द्रियत्वमें क्षायिक भाव बतलाते हुए इन्द्रियविनाशमें ज्ञानादिके विनाशकी आशंका व उसका समाधान	६८

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ
१६	कायमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररूपणा	७०
१७	योगमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररूपणामें तीनों योगोंके लक्षण व उनमें क्षायोपशमिक भावका निरूपण	७४
१८	वेदमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररूपणा	७८
१९	स्त्रीवेद क्या स्त्रीवेद द्रव्य कर्म जनित परिणाम है या नाम-कर्मोदयजनित शरीरविशेष ? इस शंकाका समाधान	७९
२०	कषायमार्गणानुसार स्वामित्व	८२
२१	ज्ञानमार्गणानुसार स्वामित्व	८४
२२	संयममार्गणानुसार स्वामित्व	९१
२३	दर्शनमार्गणानुसार स्वामित्व प्ररूपणामें दर्शनाभावकी आशंका और उसका समाधान	९६
२४	लेश्यामार्गणानुसार स्वामित्व	१०४
२५	भव्यमार्गणानुसार स्वामित्व	१०६
२६	सम्यक्त्व मार्गणानुसार स्वामित्व प्ररूपणा	१०७
२७	संज्ञिमार्गणानुसारस्वामित्व	१११
२८	आहारमार्गणानुसार स्वामित्व	११२
	एक जीवकी अपेक्षा कालानुगम	
१	गतिमार्गणानुसार नारकियोंकी कालप्ररूपणा	११४
२	तिर्यंचोंकी कालाप्ररूपणा	१२१
३	मनुष्योंकी कालाप्ररूपणा	१२५
४	देवोंकी कालप्ररूपणा	१२७
५	इन्द्रियमार्गणानुसार एकेन्द्रिय जीवोंकी कालप्ररूपणा	१३५
६	विकलेन्द्रियोंकी कालप्ररूपणा	१४१
७	पंचेन्द्रियोंकी कालाप्ररूपणा	१४२
८	पृथिवीकायिकादिक जीवोंकी कालप्ररूपणा	१४३
९	सूक्ष्म वनस्पतिकायिकोंसे सूक्ष्म निगोदजीवोंकी पृथक् प्ररूपणा	१४७
१०	त्रसकायिकोंकी कालप्ररूपणा	१४९
११	मनोयोगी व वचनयोगी जीवोंकी कालप्ररूपणा	१५१
१२	काययोगी जीवोंकी काल प्ररूपणा	१५२
१३	स्त्रीवेदी जीवोंकी कालप्ररूपणा	१५६
१४	पुरुषवेदी ,, ,,	१५७
१५	नपुंसकवेदी ,, ,,	१५८
१६	अपगतवेदी ,, ,,	१५९
१७	क्रोधादि कषाय युक्त जीवोंकी कालप्ररूपणा	१६०
१८	मति-श्रुत अज्ञानी जीवोंकी कालप्ररूपणा	१६१
१९	विभंगज्ञानियोंका काल	१६३
२०	मति-श्रुतज्ञानियोंका काल	१६४
२१	मनःपर्ययज्ञानी और केवलज्ञानी जीवोंकी कालप्ररूपणा	१६५
२२	परिहारशुद्धिसंयत व संयतासंयत जीवोंकी कालप्ररूणपणा	१६६
२३	सामायिक-छेदोपस्थापना-शुद्धिसंयत और सूक्ष्मसाम्परायिकशुद्धिसंयतोंका काल	१६८
२४	यथाख्यातविहारशुद्धिसंयतोंकी कालप्ररूपणा	१६९
२५	असंयतोंकी कालप्ररूपणा	१७१
२६	चक्षुदर्शनी जीवोंका काल	१७२
२७	अचक्षुदर्शनी व अवधिदर्शनियोंकी कालप्ररूपणा	१७३
२८	केवलदर्शनी जीवोंका काल	१

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
२९	कृष्णादिक तीन लेश्यावालोंकी कालप्ररूपणा	१७४
३०	पीतादिक तीन लेश्यावालोंकी कालप्ररूपणा	१७५
३१	भव्यसिद्धिक जीवोंकी कालप्ररूपणा	१७६
३२	अभव्यसिद्धिक जीवोंकी कालप्ररूपणा	१७७
३३	सम्यग्दृष्टि जीवोंकी कालप्ररूपणा	१७८
३४	सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंकी कालप्ररूपणा	१८१
३५	सासादनसम्यग्दृष्टि जीवोंकी कालप्ररूपणा	१८२
३६	मिथ्यादृष्टि जीवोंकी कालप्ररूपणा	१८३
३७	संज्ञी जीवोंकी कालप्ररूपणा	"
३८	असंज्ञी जीवोंकी कालप्ररूपणा	१८४
३९	आहारक "	"
४०	अनाहारक "	१८५
	एक जीवकी अपेक्षा अन्तरानुगम	
१	गतिमार्गणानुसार नारकियोंका अन्तर	१८७
२	तिर्यंच व मनुष्योंका अन्तर	१८८
३	देवोंका अन्तर	१९०
४	एकेन्द्रिय जीवोंका अन्तर	१९८
५	द्वीन्द्रियादिक जीवोंका अन्तर	२०१
६	पृथ्वीकायिकादिक जीवोंका अन्तर	२०२
७	त्रसकायिक जीवोंका अन्तर	२०४
८	पांच मनोयोगी व पांच वचनयोगी जीवोंका अन्तर	२०५
९	काययोगियोंकी अन्तरप्ररूपणा	२०६
१०	स्त्री-पुरुषवेदियोंका अन्तर	२१३
११	नपुंसकवेदियोंका "	२१४
१२	अपगतवेदियोंका "	२१५
१३	क्रोधादि कषाय युक्त जीवोंका अन्तर	२१६
१४	अकषायी जीवोंका अन्तर	२१७
१५	मतिश्रुत अज्ञानी जीवोंका अन्तर	२१७
१६	विभंगज्ञानी जीवोंका अन्तर	२१८
१७	मतिज्ञानी आदि चार सम्यग्ज्ञानियोंका अन्तर	२१९
१८	केवलज्ञानियोंका अन्तर	२२१
१९	संयत जीवोंका "	"
२०	असंयत " "	२२५
२१	चक्षुदर्शनी " "	२२६
२२	अचक्षुदर्शनी व अवधिदर्शनियोंका अन्तर	२२७
२३	केवलदर्शनियोंका अन्तर	२२८
२४	कृष्णादिक तीन लेश्या युक्त जीवोंका अन्तर	"
२५	पीतादिक तीन लेश्या युक्त जीवोंकी अन्तरप्ररूपणा	२२९
२६	भव्य व अभव्य जीवोंका अन्तर	२३०
२७	सम्यग्दृष्टि और सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंका अन्तर	२३१
२८	सासादनसम्यग्दृष्टियोंकी अन्तरप्ररूपणा	२३२
२९	मिथ्यादृष्टियोंकी अन्तरप्ररूपणा	२३४
३०	संज्ञी जीवोंकी अन्तरप्ररूपणा	"
३१	असंज्ञी " "	२३५
३२	आहारक-अनाहारक जीवोंकी अन्तरप्ररूपणा	२३६
	नाना जीवोंकी अपेक्षा भंगविचयानुगम	
१	गतिमार्गणामें अस्ति-नास्ति भंगोंका निरूपण	२३७

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
२	इन्द्रिय व कायमार्गणामें अस्ति-नास्ति भंगोंका निरूपण	२३९
३	योग, वेद व कषाय मार्गणामें अस्ति-नास्ति भंगोंका निरूपण	२४०
४	ज्ञान व संयम मार्गणामें अस्ति-नास्ति भंगोंका निरूपण	२४१
५	दर्शन, लेश्या व भव्य मार्गणामें अस्ति-नास्ति भंगोंका निरूपण	२४२
६	सम्यक्त्व, संज्ञी व आहार मार्गणामें अस्ति-नास्ति भंगोंका निरूपण	२४३
	द्रव्यप्रमाणानुगम	
१	गतिमार्गणानुसार द्रव्य, काल व क्षेत्रकी अपेक्षा नारकी जीवोंका प्रमाण	२४४
२	द्रव्य, काल व क्षेत्रकी अपेक्षा तिर्यंच जीवोंका प्रमाण	२५०
३	मनुष्य व मनुष्य अपर्याप्तोंका प्रमाण	२५४
४	मनुष्य पर्याप्त व मनुष्य-नियोंका प्रमाण	२५७
५	सामान्य देवोंका प्रमाण	२५९
६	भवनवासी देवोंका प्रमाण	२६१
७	वानव्यन्तर ,, ,,	२६२
८	ज्योतिषी ,, ,,	२६३
९	सौधर्म-ईशानकल्पवासी देवोंका प्रमाण	२६४
१०	सनत्कुमारादि शतार-सहस्रार कल्पवासी देवोंका प्रमाण	२६५
११	आनतादि अपराजित विमान-वासी देवोंका प्रमाण	२६६
१२	सर्वार्थसिद्धि विमानवासी देवोंका प्रमाण	२६७
१३	एकेन्द्रिय जीवोंका प्रमाण	,,
१४	द्वीन्द्रियादिक जीवोंका प्रमाण	२६९
१५	पृथिवीकायिकादिक स्थावर जीवोंका प्रमाण	२७०
१६	त्रसकायिक जीवोंका प्रमाण	२७६
१७	मनोयोगी व वचनयोगी जीवोंका प्रमाण	,,
१८	काययोगी जीवोंका प्रमाण	२७८
१९	स्त्री-पुरुषवेदी ,, ,,	२८१
२०	नपुंसकवेदी ,, ,,	२८२
२१	अपगतवेदी ,, ,,	२८३
२२	क्रोधादिकषायी ,, ,,	२८४
२३	अकषायी ,, ,,	२८५
२४	मति-श्रुत अज्ञानी ,, ,,	,,
२५	विभंगज्ञानी ,, ,,	२८६
२६	मति, श्रुत व अवधिज्ञानी जीवोंका प्रमाण	२८६
२७	मनःपर्यय व केवलज्ञानी जीवोंका प्रमाण	२८७
२८	संयत जीवोंका प्रमाण	२८८
२९	असंयत ,, ,,	२८९
३०	चक्षुदर्शनी जीवोंका प्रमाण	२९०
३१	अचक्षुदर्शनी और अवधि-दर्शनी जीवोंका प्रमाण	२९१
३२	केवलदर्शनी जीवोंका प्रमाण	२९२
३३	कृष्णादिक चार लेश्यावाले जीवोंका प्रमाण	,,
३४	पद्म व शुक्ल लेश्यावाले जीवोंका प्रमाण	२९३
३५	भव्यसिद्धिक जीवोंका प्रमाण	२९४
३६	अभव्यसिद्धिक ,, ,,	२९५
३७	सम्यग्दृष्टि और सम्यग्मिथ्या-दृष्टि जीवोंका प्रमाण	२९६
३८	मिथ्यादृष्टि जीवोंका प्रमाण	२९७

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
३९	संज्ञी और असंज्ञी जीवोंका प्रमाण	२९७
४०	आहारक व अनाहारक जीवोंका प्रमाण	२९८
	क्षेत्रानुगम	
१	स्वस्थान समुद्घात व उपपादके भेद और उनके लक्षण	२९९
२	नारकियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा और उनके मारणान्तिक क्षेत्रके निकालनेका विधान	३०१
३	उपपादक्षेत्रके निकालनेका विधान	३०३
४	पांच प्रकारके तिर्यंचोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३०५
५	मनुष्य, मनुष्य पर्याप्त और मनुष्यनियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३०८
६	मनुष्य अपर्याप्तोंका क्षेत्र	३११
७	मारणान्तिक क्षेत्रके निकालनेका विधान	३१२
८	सामान्य देवोंका क्षेत्रप्रमाण	३१३
९	भवनवासी आदि सर्वार्थसिद्धि पर्यंत देवोंका क्षेत्र	३१६
१०	भवनवासी आदि देवोंका शरीरोत्सेध	३१९
११	सामान्य एकेन्द्रिय व सूक्ष्म एकेन्द्रिय तथा उनके पर्याप्त अपर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३२०
१२	बादर एकेन्द्रिय पर्याप्त व अपर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३२२
१३	द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय और चतुरिन्द्रिय जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३२४
१४	पंचेन्द्रिय व पंचेन्द्रिय पर्याप्त जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३२६
१५	पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३२८
१६	पृथिवीकायिकादिक व सूक्ष्म पृथिवीकायिकादिक जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३२९
१७	बादर पृथिवीकायिकादिक आठ वर्गोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३३०
१८	आठ पृथिवियोंका जगप्रतर प्रमाण	३३१
१९	पर्याप्त बादर पृथिवीकायिकादिकोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३३४
२०	बादर वायुकायिक व उनके अपर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३३५
२१	बादर वायुकायिक पर्याप्तोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३३६
२२	वनस्पतिकायिक व निगोद जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३३७
२३	बादर वनस्पतिकायिक व बादर निगोद जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३३८
२४	त्रसकायिक जीवोंका क्षेत्र	३३९
२५	पांचों मनोयोगी और पांचों वचनयोगियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३४०
२६	काययोगी और औदारिकमिश्रकाययोगियोंका क्षेत्र	३४१
२७	औदारिककाययोगियोंका क्षेत्र	३४२
२८	वैक्रियिककाययोगियोंका क्षेत्र	३४३
२९	वैक्रियिकमिश्रकाययोगियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३४४
३०	आहारकाययोगियोंका क्षेत्र	३४५
३१	आहारमिश्रकाययोगियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३४६

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
३२	कार्मणकाययोगियोंका क्षेत्र	३४६
३३	स्त्रीवेदी और पुरुषवेदियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३४७
३४	नपुंसकवेदी और अपगत-वेदियोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३४८
३५	क्रोधादि चारों कषाय युक्त जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५०
३६	मति-श्रुत और अज्ञानी जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५०
३७	विभंगज्ञानी और मन:पर्यय-ज्ञानी जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५१
३८	मति-श्रुत और अवधिज्ञानी जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५२
३९	केवलज्ञानी जीवोंका क्षेत्र	"
४०	संयत जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५४
४१	असंयत " "	३५५
४२	चक्षुदर्शनी जीवोंका क्षेत्र	"
४३	अचक्षुदर्शनी जीवोंकी क्षेत्र प्ररूपणा	३५६
४४	अवधिदर्शनी व केवलदर्शनी जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५७
४५	कृष्णादिक पांच लेश्यावाले जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	"
४६	शुक्ललेश्यावाले जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३५९
४७	भव्य व अभव्य जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३६०
४८	सम्यग्दृष्टि और क्षायिक सम्यग्दृष्टि जीवोंका क्षेत्र	३६१
४९	वेदकसम्यग्दृष्टि, उपशम-सम्यग्दृष्टि और सासादन-सम्यग्दृष्टि जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३६२
५०	सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	३६३
५१	मिथ्यादृष्टि जीवोंका क्षेत्र	३६४
५२	संज्ञी जीवोंकी क्षेत्रप्ररूपणा	"
५३	असंज्ञी " "	३६५
५४	आहारक " "	"
५५	अनाहारक " "	३६६
	स्पर्शनानुगम	
१	सामान्य नारकियोंकी स्पर्शन प्ररूपणा	३६७
२	झालर समान तिर्यग्लोककी मान्यताका खण्डन	३७१
३	द्वितीयादि पृथिवियोंके नार-कियोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	३७३
४	सामान्य तिर्यंचोंकी स्पर्शन प्ररूपणा	३७४
५	शेष चार प्रकारके तिर्यंचोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	३७६
६	मनुष्य मनुष्य पर्याप्त और मनुष्यनियोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	३७९
७	मनुष्य अपर्याप्तोंकी स्पर्शन प्ररूपणा	३८२
८	सामान्य देवोंका स्पर्शन	"
९	भवनत्रिक देवोंकी स्पर्शन-प्ररूपणा	३८५
१०	सौधर्म और ईशान कल्पवासी देवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	३८८
११	सनत्कुमारादि सहस्रार कल्प-वासी देवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	३८९
१२	आनतादि चार कल्पवासी देवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	३९०
१३	कल्पातीत देवोंका स्पर्शन	३९२

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
१४	एकेन्द्रिय जीवोंका स्पर्शन	३९२
१५	विकलेन्द्रिय जीवोंका स्पर्शन	३९४
१६	पंचेन्द्रिय जीवोंका स्पर्शन	३९६
१७	पृथिवीकायिकादिक जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४००
१८	तेजस्कायिक जीव कहां पाये जाते हैं, इसपर मतभेद	४०१
१९	त्रसकायिक जीवोंकी स्पर्शन-प्ररूपणा	४११
२०	पांच मनोयोगी और पांच वचनयोगी जीवोंकी स्पर्शन-प्ररूपणा	"
२१	काययोगी और औदारिक-मिश्रकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४१३
२२	औदारिककाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४१४
२३	वैक्रियिककाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४१५
२४	वैक्रियिकमिश्रकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४१७
२५	आहारकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४१८
२६	आहारमिश्रकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४१९
२७	कार्मणकाययोगी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	"
२८	स्त्रीवेदी और पुरुषवेदी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४२०
२९	नपुंसकवेदी और अपगतवेदी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४२३
३०	क्रोधादि चार कषायवाले जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४२५
३१	मति-श्रुत अज्ञानी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४२५
३२	विभंगज्ञानी जीवोंकी स्पर्शन-प्ररूपणा	४२६
३३	मति, श्रुत और अवधिज्ञानी जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४२८
३४	मनःपर्ययज्ञानी जीवोंकी स्पर्शन-प्ररूपणा	४३०
३५	केवलज्ञानी जीवोंकी स्पर्शन-प्ररूपणा	४३१
३६	संयत, यथाख्यातविहारशुद्धि-संयत सामायिक-छेदोपस्था-पनाशुद्धिसंयत और सूक्ष्म-साम्परायिकसंयत जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	"
३७	संयतासंयत जीवोंकी स्पर्शन	४३२
३८	असंयत जीवोंका स्पर्शन	४३४
३९	चक्षुदर्शनी जीवोंका स्पर्शन	"
४०	अचक्षुदर्शनी " "	४३७
४१	अवधिदर्शनी और लेश्यावाले जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४३८
४२	कृष्णादिक चार लेश्यावाले जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	"
४३	पद्मलेश्यावाले जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	४४१
४४	शुक्ललेश्यावाले जीवोंका स्पर्शन	४४२
४५	भव्य और अभव्य " "	४४४
४६	सम्यग्दृष्टि " "	४४५
४७	क्षायिकसम्यग्दृष्टि " "	४४९
४८	वेदकसम्यग्दृष्टि " "	४५१
४९	उपशमसम्यग्दृष्टि " "	४५३
५०	सासादनसम्यग्दृष्टि " "	४५५

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
५१	सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंका स्पर्शन	४५७
५२	मिथ्यादृष्टि ,, ,,	४५८
५३	संज्ञी ,, ,	,
५२	असंज्ञी ,, ,,	४६१
५३	आहारक व अनाहारक जीवोंकी स्पर्शनप्ररूपणा	,
	नाना जीवोंकी अपेक्षा कालानुगम	
१	नारकी जीवोंकी कालप्ररूपणा	४६२
२	तिर्यंच और मनुष्योंकी कालप्ररूपणा	४६३
३	देवोंकी कालप्ररूपणा	४६४
४	एकेन्द्रियादि पांच प्रकारके जीवोंकी कालप्ररूपणा	४६६
५	त्रसकाय और स्थावरकाय जीवोंकी कालप्ररूपणा	४६७
६	योगमार्गणामें कालप्ररूपणा	४६८
७	वेदमार्गणामें ,,	४७१
८	कषाय और ज्ञान मार्गणामें कालप्ररूपणा	४७२
९	संयम मार्गणामे कालप्ररूपणा	४७३
१०	दर्शन व लेश्या मार्गणामें कालप्ररूपणा	४७४
११	भव्य और सम्यक्त्व मार्गणामें कालप्ररूपणा	४७५
१२	संज्ञी और आहार मार्गणामें कालप्ररूपणा	४७६
	नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तरानुगम	
१	गतिमार्गणामें नारकी जीवोंकी अन्तरप्ररूपणा	४७८
२	तिर्यंच व मनुष्योंकी अन्तरप्ररूपणा	४८०
३	देवोंकी अन्तरप्ररूपणा	४८१
४	इन्द्रिय मार्गणामें अन्तरप्ररूपणा	४८२
५	काय ,, ,,	४८३
६	योग , ,,	४८४
७	वेद ,, ,,	४८६
८	कषाय और ज्ञान मार्गणामें अन्तरप्ररूपणा	४८७
९	संयम मार्गणामें अन्तरप्ररूपणा	४८८
१०	दर्शन ,, ,,	४८९
११	लेश्या और भव्य मार्गणामें अन्तरप्ररूपणा	४९०
१२	सम्यक्त्व मार्गणामें अन्तरप्ररूपणा	४९१
१३	संज्ञी ,, ,,	४९३
१४	आहार ,, ,,	४९४
	भागाभागानुगम	
१	नरकगतिमें भागाभागाप्ररूपणा	४९५
२	तिर्यंच गतिमें ,,	४९६
३	मनुष्य ,, ,,	४९७
४	देव ,, ,,	४९८
५	एकेन्द्रिय और बादर एकेन्द्रिय जीवोंमें भागाभागप्ररूपणा	४९९
६	सूक्ष्म एकेन्द्रिय जीवोंमें ,,	५००
७	द्वीन्द्रियादिक ,, ,,	५०१
८	काय मार्गणामें ,	५०२
९	सूक्ष्म वनस्पतिकायिकोंसे सूक्ष्म निगोद जीवोंकी पृथक्प्ररूपणा	५०४
१०	योग मार्गणामें भागाभागप्ररूपणा	५०७
११	वेद ,, ,,	५०९
१२	कषाय ,, ,,	५१०
१३	ज्ञान ,, ,,	५११
१४	संयम ,, ,,	५१२

क्रम नं.	विषय	पृष्ठ नं.
१५	दर्शन मार्गणामें भागाभागप्ररूपणा	५१३
१६	लेश्या ,, ,,	५१४
१७	भव्य ,, ,,	५१५
१८	सम्यक्त्व ,, ,,	५१६
१९	संज्ञी ,, ,,	५१७
२०	आहार ,, ,,	५१८
	अल्पबहुत्वानुगम	
१	गति मार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५२०
२	इन्द्रिय ,, ,,	५२४
३	इन्द्रियमार्गणामें प्रकारान्तरसे अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५२६
४	कायमार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५३०
५	,, ,, अन्य प्रकारसे ,,	५३२
६	,, ,, एक और अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५३३
७	वनस्पतिकायिकोंसे निगोद जीवोंकी पृथक्त्वप्ररूपणा	५३९
८	काय मार्गणामें चतुर्थ प्रकारसे अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५४२
९	योग मार्गणामें अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५५०
१०	वेद ,, ,,	५५४
११	वेदमार्गणामें-अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्व	५५५
१२	कषाय मार्गणामें अल्पबहुत्व	५५८
१३	ज्ञान ,, ,,	५५९
१४	संयम ,, ,,	५६१
१५	,, ,, अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५६२
१६	चरित्रलब्धि स्थानोंमें अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५६३
१७	दर्शन मार्गणामें अल्पबहुत्व	५६८
१८	लेश्या ,, ,,	५६९
१९	भव्य ,, ,,	५७१
२०	सम्यक्त्व ,, ,,	,,
२१	,, ,, अन्य प्रकारसे अल्पबहुत्व	५७२
२२	संज्ञी मार्गणामें अल्पबहुत्व	५७३
२३	आहार ,, ,,	५७४
२४	महादण्डक और उसके कहनेका प्रयोजन	५७५
२५	मार्गणा निरपेक्ष अल्पबहुत्वप्ररूपणा	५७६